## संदेसो । By Shital Chandak Sharma

आई भादि मावस आई उडीके है महामाई मेलो लगायो है महारानी टावरिया के ताई सारे भक्ता के चाव सवायो है झुँझन वाली को संदेसो आयो है

कोई माँ की चुनरी ल्यावे कोई सोने को चुड़लो बनावे जगह जगह से माँ का टाबर धूम धाम से आवे भगता को मनडो घणो हरषायो है झुँझन वाली को संदेसो आयो है

टाबरिया मेहँदी ल्यावे ल्याके दादी के लगावे रकम रकम के फुलड़ा सु मैया को गजरो बणावे चाँद भी मैया के आगे शरमायो है झुँझन वाली को संदेसो आयो है

सारे जग की या धिराणी म्हारी मोटी सेठाणी भर भर लुटावे हैं भण्डारो जगदम्बे कल्याणी गोलू जो मांग्यो मैया से पायो है झुँझन वाली को संदेसो आयो है

 $\frac{\text{https://bhaktivandana.com/lyrics/\%e0\%a4\%b8\%e0\%a4\%82\%e0\%a4\%a6\%e0\%a5\%87\%e0\%a4\%b8\%e0\%a5\%8b-b}{\text{y-shital-chandak-sharma/}}$